BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

शिक्षा में एआई

ग्लोबल लीडरशिप के लिए भारत की प्रतिभाओं की कतार तैयार करना

03 मार्च, 2026

AI IN INDIA
FROM VISION TO IMPACT

प्रमुख विशेषताएं

- सभी के लिए बुनियादी ढांचा : 7,634 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 1.79 लाख से ज़्यादा आईसीटी प्रयोगशालाओं की मंज़ूरी दी गई, जो ग्रामीण, आदिवासी और आकांक्षी ज़िलों तक पहुंचेंगी।
- कार्यबल पाइपलाइन के लिए अनुसंधान : उत्कृष्टता केन्द्रों, विश्वविद्यालयों में एआई- अध्ययन, और कौशल कार्यक्रम को बढ़ावा देना जो विस्तृत एआई प्रतिभा इकोसिस्टम बनाते हैं।

परिचय

भारत ग्लोबल एआई पावरहाउस के रुप में अपना स्थान बना रहा है, और इस दिशा में तेज़ी से वृद्धि हो रही है। 2024 में, 89 प्रतिशत नए स्टार्टअप एआई संचालित थे, और 87 प्रतिशत उद्यम सक्रिय रूप से एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह तो बस शुरुआत है - भारतीय एआई बाजार के 2027 तक 25 प्रतिशत-35 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस वृद्धि में सहयोग करने के लिए, भारत, जिसके पास 2024 में 600,000-650,000 का एआई प्रतिभा पूल था, को नैसकॉम के अनुसार, 2027 तक 15 प्रतिशत सीएजीआर पर 1.25 मिलियन से ज़्यादा एआई पेशेवरों की ज़रूरत है।

सरकार की कई कोशिशें और नीतियां एआई की वजह से श्रम बाजार में आए बड़े बदलाव को ठीक कर रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 आर्थिक विकास, पढ़ाई की चुनौतियों को हल करने, अध्यापक की काबिलियत बढ़ाने और व्यक्तिगत शिक्षण में एआई की क्षमता को पहचानती है - और सभी शैक्षणिक स्तरों पर एआई-लर्निंग के महत्व पर ज़ोर देती है। इंडिया एआई मिशन (मार्च 2024 में शुरू हुआ) का मकसद सरकार, संस्थानों, स्टार्टअप्स, निजी क्षेत्र और शिक्षा के सभी क्षेत्रों में नवोन्मेष को बढ़ावा देकर भारत को दुनिया का एआई लीडर बनाना है।

इस रणनीति का मुख्य हिस्सा टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसका इस्तेमाल आसान करना है–यह सुनिश्चित करना कि एआई उपकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म दूर-दराज के गांवों, जनजातीय इलाकों और पिछड़े समुदायों तक पहुंचें, जिससे डिजिटल विभाजन कम हो। यह पूरा तरीका **विकसित भारत 2047** की कल्पना से मेल खाता है, जो भारत को एक समग्र वैश्विक एआई लीडर के तौर पर दिखाता है।

एआई पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

एनईपी यह मानता है कि एआई, बिग डेटा और मशीन लर्निंग श्रम बाजार को बदल देंगे और नवोन्मेष को बढ़ावा देंगे। यह पक्का करने के लिए कि युवा इन बड़े बदलावों का सामना कर सकें, एनईपी बहुविषयक शिक्षा के लिए एआई, कंप्यूटर विज्ञान/डेटा विज्ञान के साथ-साथ दूसरे विषयों के अध्ययन की अहमियत पर ज़ोर देता है।

इस नीति का उद्देश्य इन विषयों में छात्रों को आर्थिक सफलता और अधिक अवसरों के लिए तैयार करना है।

क्योंकि शिक्षा समवर्ती सूची में है, एनईपी 2020 की सिफारिशें केन्द्र और राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश दोनों की शिक्षा नीति पर असर डालती हैं और भारत को ग्लोबल एआई लीडर बनाने की सरकार की कोशिशों में सहयोग करती हैं।

स्कूली शिक्षा में एआई पहल

शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रुपरेखा (एनसीएफ) 2023 के तहत, ग्रेड 9 से शुरू करते हुए, सीबीएसई और एनसीईआरटी के ज़रिए पूरे भारत में स्कूली पाठ्यक्रम में एआई को शामिल किया है।

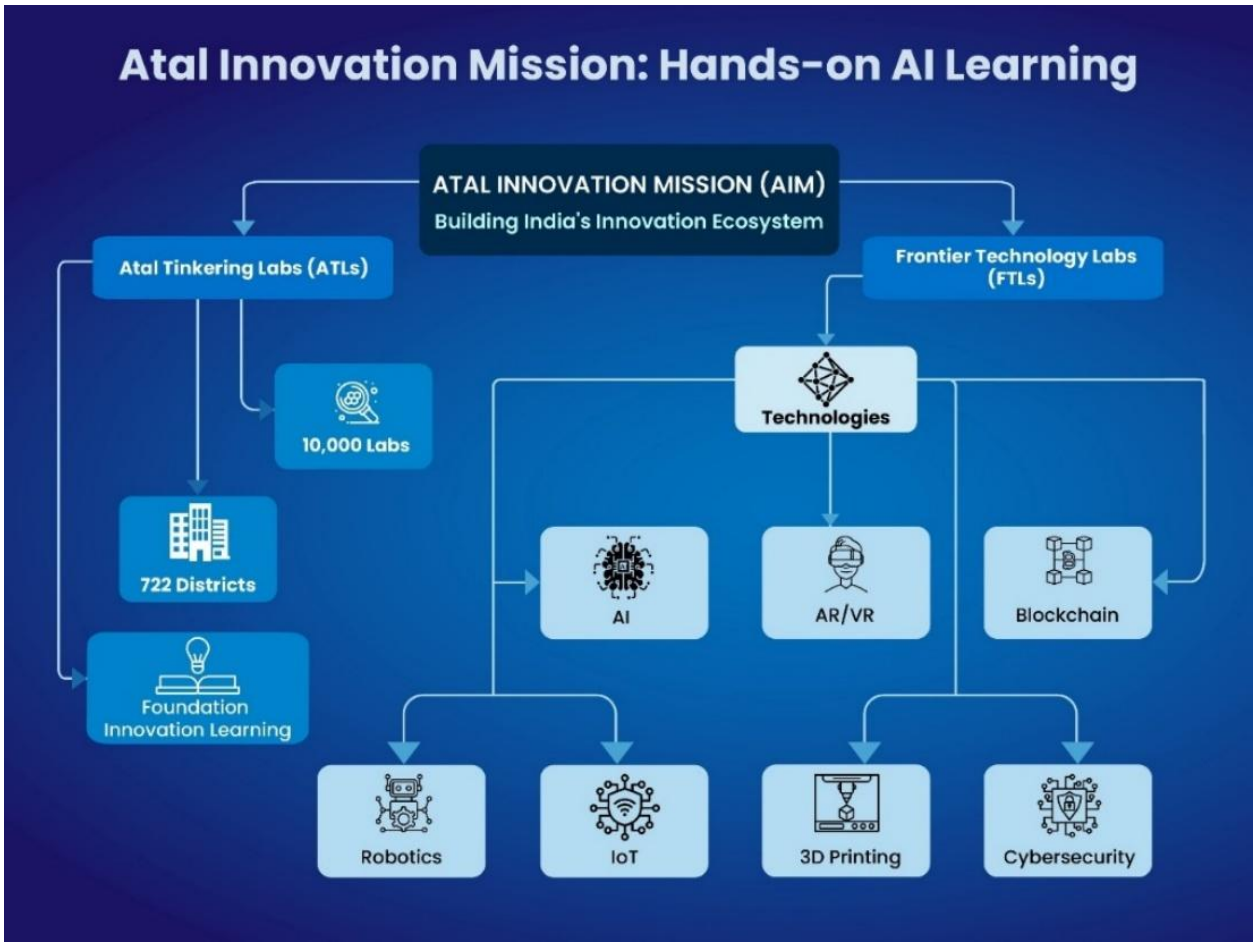

अभी, सीबीएसई कक्षा VI से 15 घंटे का एआई कौशल मॉड्यूल और क्लास IX-XII में एआई को वैकल्पिक विषय के तौर पर देता है। एनसीईआरटी ने कक्षा XI की कंप्यूटर विज्ञान और इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिस की पाठ्य पुस्तक में एआई विषय शामिल किया है और ग्रेड 1-2 की पाठ्य पुस्तक को 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए एआई/एमएल का इस्तेमाल किया है।

ICT LABS FOR AI & EMERGING TECH EDUCATION

TWO GOVERNMENT SCHEMES SUPPORTING ICT LABS

SAMAGRA SHIKSHA

Quality education for all children

GRANTS PER SCHOOL
One-time: **Rs. 6.40 lakh**
Annual: Rs. 2.40 lakh (5 years)
Covers: Hardware, software, training, digital boards, smart classrooms

TARGET
Govt & aided schools Classes VI-XII
Focus: Rural, tribal, aspirational districts

IMPLEMENTATION (As of February 2026)

SAMAGRA SHIKSHA:
1,79,153 ICT Labs approved

Rs. 7,634.95 crore allocated

CURRENT ICT INFRASTRUCTURE (UDISE+ 2024-25)

9,33,987 schools with internet

4,50,919 schools with smart classrooms

5,13,533 schools with desktops/PCs

2,91,048 schools with laptops/notebooks

3,82,543 schools with tablets

छात्रों और शिक्षकों के लिए एआई-कोर्स

दीक्षा प्लेटफॉर्म

शिक्षा मंत्रालय की एक पहल, दीक्षा (डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) सबको शामिल करने के लिए एआई का इस्तेमाल करती है: वीडियो में एआई-आधारित मुख्य शब्द की खोज और दृष्टिहीन छात्रों के लिए ज़ोर से पढ़ने का फीचर। दीक्षा मोबाइल ऐप अध्यापकों के साथ-साथ छात्रों और अभिभावकों के लिए भी उपलब्ध है। ऐप में दिलचस्प अध्ययन सामग्री है जो स्कूल के निर्धारित पाठ्यक्रम की ज़रूरत के हिसाब से है।

एसओएआर पहल

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने कक्षा 6-12 के छात्रों और अध्यापकों के लिए एआई जागरूकता और कौशल बनाने के लिए एसओएआर (स्किलिंग फॉर एआई रेडीनेस) की शुरूआत की है। प्रोग्राम में तीन 15-घंटे के स्टूडेंट मॉड्यूल और एक 45-घंटे का "एआई फॉर एजुकेटर्स" टीचर मॉड्यूल शामिल है।

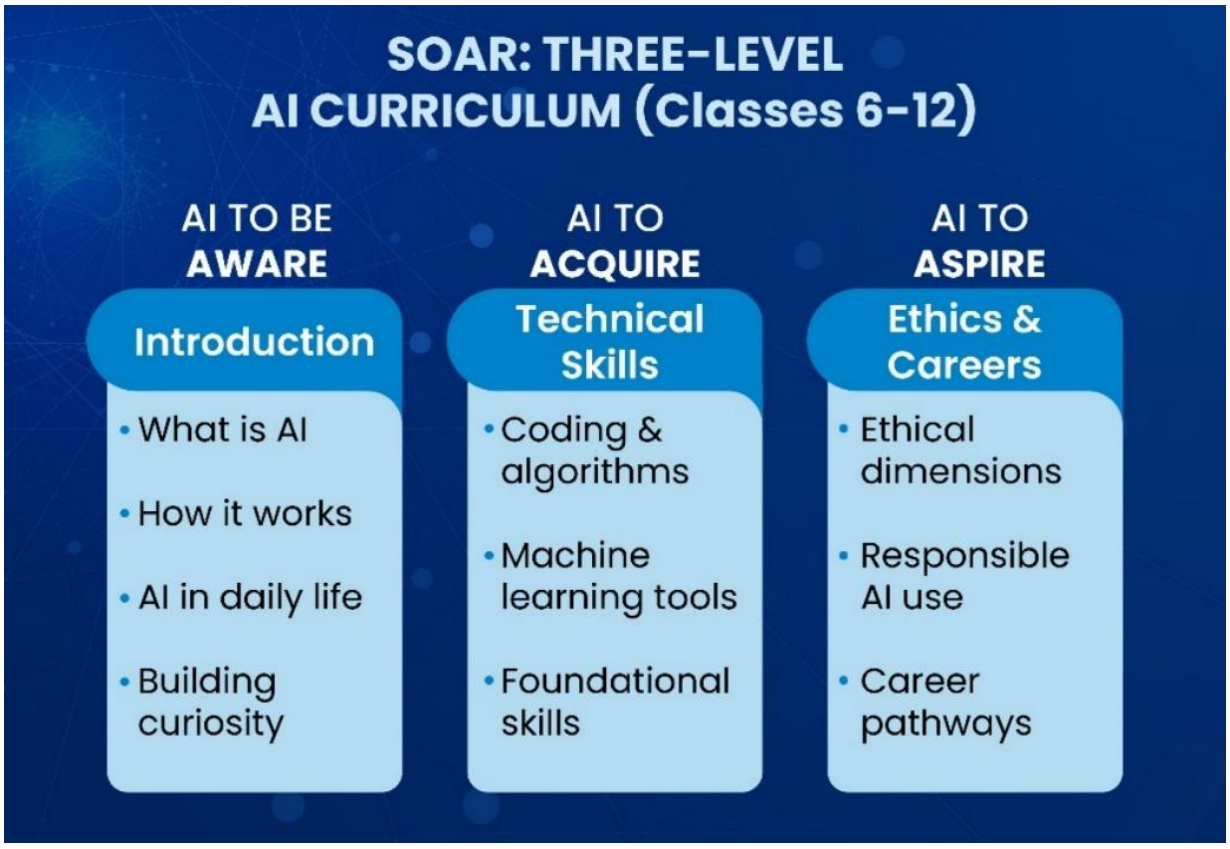

"एआई फॉर एजुकेटर्स" मॉड्यूल:

यह मॉड्यूल अध्यापकों को एआई पाठ्यक्रम और पढ़ाने के तरीके को समझने, कक्षा में एआई टूल्स का असरदार तरीके से इस्तेमाल करने, अलग-अलग तरह के सीखने वालों के लिए सबको साथ लेकर चलने को बढ़ावा देने, एजुकेशनल एआई प्रोजेक्ट बनाने और ज़िम्मेदार एआई आचार नीति सिखाने का प्रशिक्षण देता है।

स्वयं प्लेटफॉर्म

शिक्षा मंत्रालय का स्वयं (स्टडी वेब्स ऑफ़ एक्टिव लर्निंग फ़ॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स) प्लेटफ़ॉर्म आईआईटी और आईआईएससी से 110+ फ़्री एआई पाठ्यक्रम की पेशकश करता है, जिसमें 41.2 लाख छात्रों के नाम लिखे हुए हैं।

उच्च शिक्षा में एआई

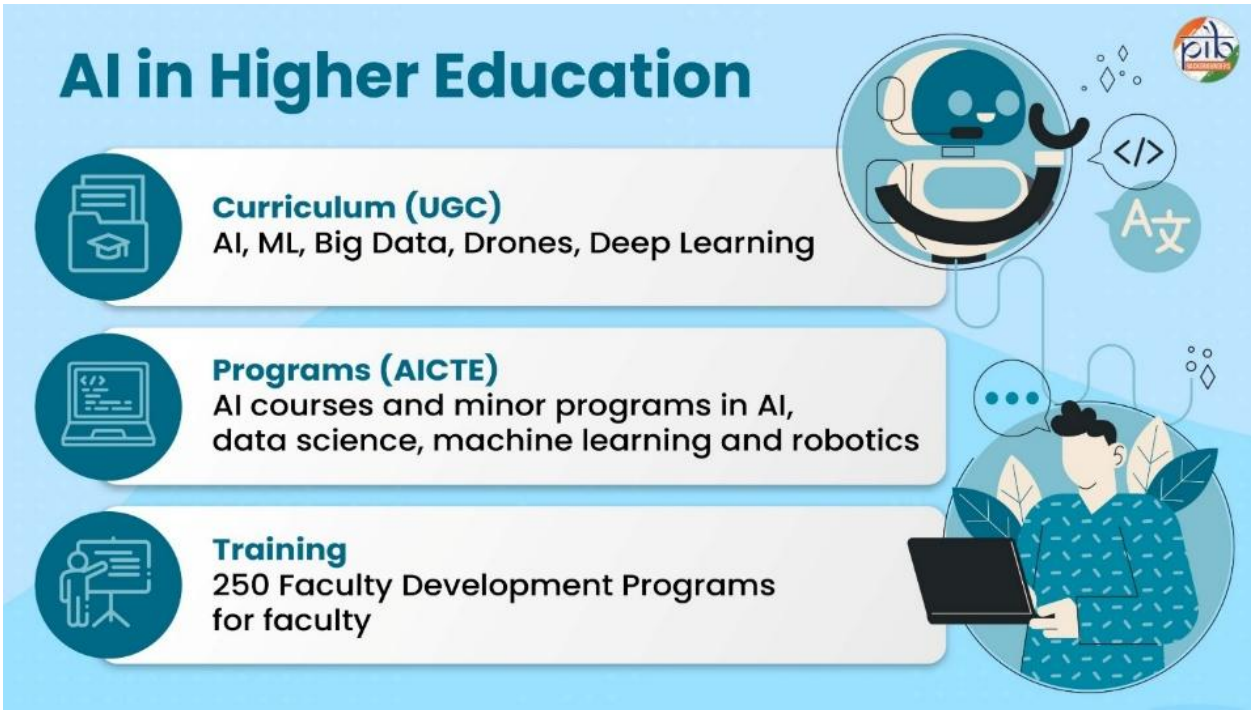

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी): 2022 के स्नातक कोर्स में एआई, 3डी मशीनिंग, बिग डेटा एनालिसिस, मशीन लर्निंग, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डीप लर्निंग शामिल हैं, जिनका स्वास्थ्य, पर्यावरण और टिकाऊ जीवन में इस्तेमाल होगा।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई):

- आईटी से जुड़े सभी पाठ्यक्रमों में एआई कॉम्पोनेंट शामिल किए गए
- एआई जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए हैकाथॉन आयोजित किए गए
- महिलाओं को इंजीनियरिंग स्कॉलरशिप (प्रगति, सरस्वती) दी गई

- फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किए गए

पेरप्लेक्सिटी ने एआईसीटीई के साथ साझेदारी की

एआई से चलने वाले सर्च इंजन, पेरप्लेक्सिटी ने एआईसीटीई के साथ साझेदारी की है। यह एआईसीटीई के अलग-अलग संचार चैनलों, संकाय प्रशिक्षण सत्र और उत्कृष्टता केन्द्रों में नई प्रौद्योगिकीयों के छोटे पैमाने पर कार्यान्वयन के ज़रिए 14,000 संस्थानों के 40 मिलियन छात्रों को डिजिटल वितरण के ज़रिए सहयोग देगा। इंस्टीट्यूशनल ऑनबोर्डिंग के ज़रिए भी छात्र पेरप्लेक्सिटी वेबसाइट/ऐप तक पहुंच सकते हैं। इस प्रोजेक्ट का मकसद छात्रों को यह पता लगाना है कि एआई टूल्स रिसर्च, नवोन्मेष और रियल-वर्ल्ड एप्लीकेशन में कैसे मदद कर सकते हैं। यह प्रोजेक्ट एनईपी के प्रत्यक्ष अनुभव से शिक्षा पर ज़ोर देने के साथ मेल खाता है।

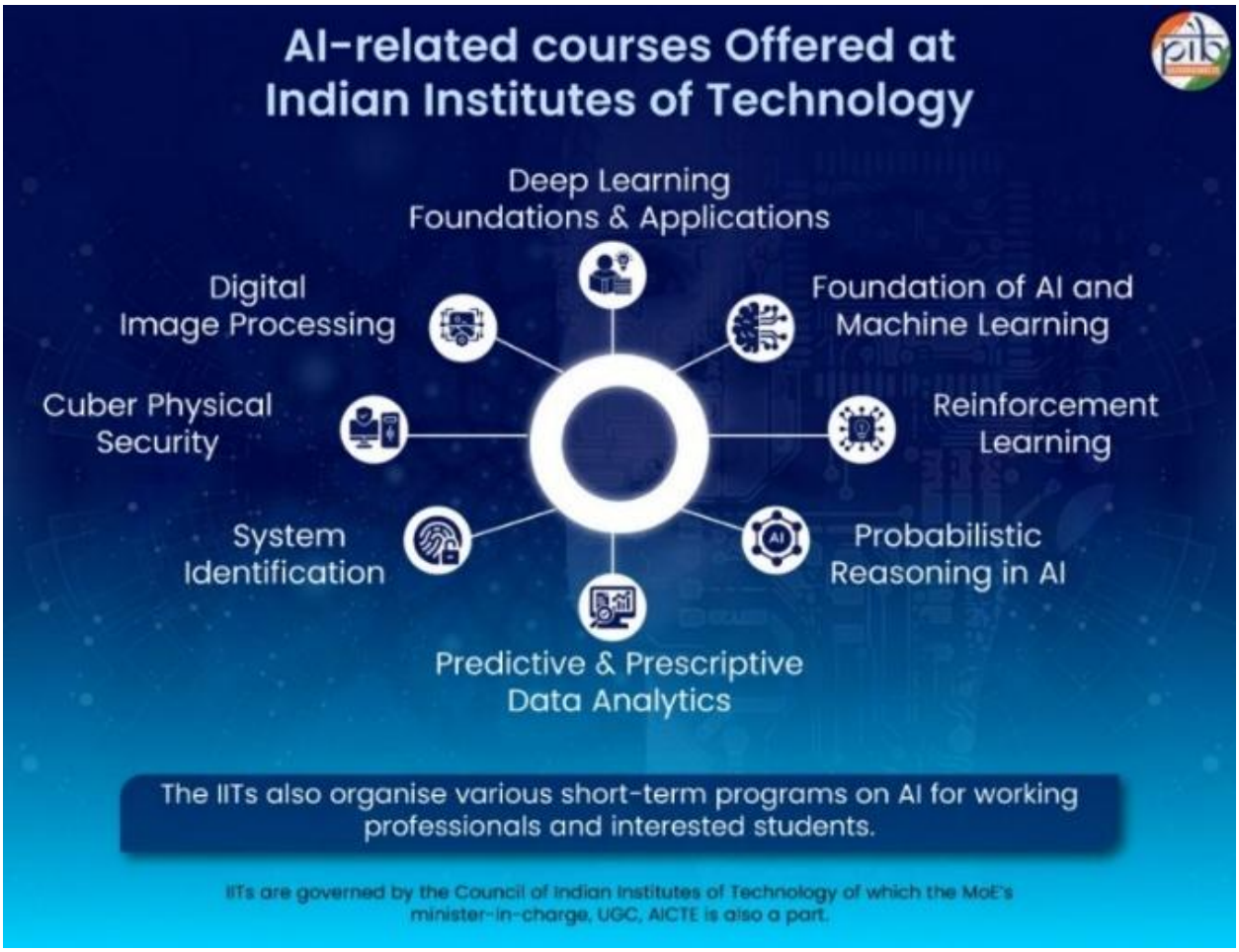

आईआईटी मद्रास भारत बोध एआई सम्मेलन 2026

भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय, उन प्रतिभागियों को बुला रहा है जिन्होंने भरोसेमंद और रिसर्च पर आधारित एआई समाधान विकसित किए हैं और जिनके नतीजे मापने लायक हैं। वे आईआईटी मद्रास भारत बोध एआई सम्मेलन 2026 में हिस्सा लेने के लिए बुला रहे हैं। यह सम्मेलन 12-13 फरवरी को नई दिल्ली में होगा। यह सम्मेलन समाधान प्रदान करने वालों, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, सरकारी संस्थाओं और भारत और विदेश के दूसरे साझेदारों के लिए खुला है।

प्राथमिकता वाले चार वर्टिकल्स में प्रस्तुतियां आमंत्रित हैं:

1. स्कूल शिक्षा के लिए एआई,

2. उच्च शिक्षा के लिए एआई,

3. कौशल और कार्यबल तैयार करने के लिए एआई, और

4. एआई अनुसंधान और डीप टेक्नोलॉजी

अनुसंधान और विकास

सरकार अलग-अलग पहलों या योजनाओं के ज़रिए एआई में अनुसंधान और विकास में सहयोग कर रही है।

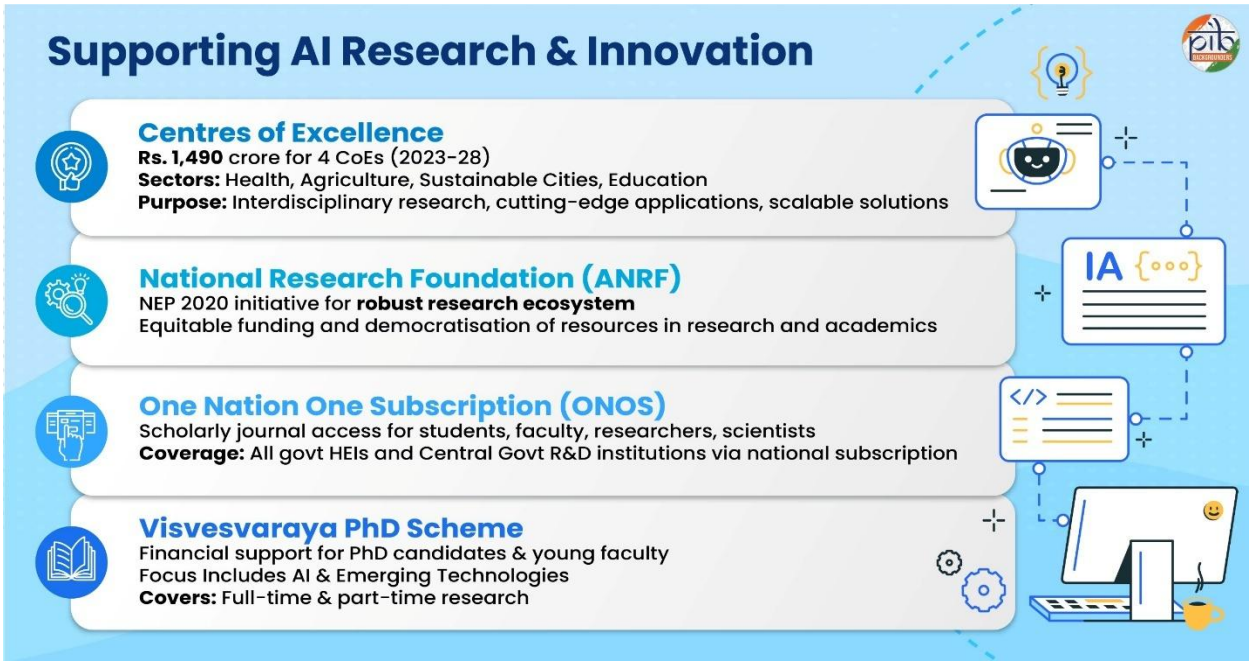

इंडियाएआई और मेटा ने आईआईटी जोधपुर में **सेंटर फॉर जेनरेटिव एआई (सृजन)** बनाया और भारत में ओपन-सोर्स एआई को आगे बढ़ाने के लिए **युवएआई इनिशिएटिव** (एमईआईटीवाई और एआईसीटीई के साथ) लॉन्च किया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य तीन साल में 100,000 छात्रों और डेवलपर्स (18-30 साल के) को स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि, स्मार्ट सिटी और वित्तीय समावेशन के लिए एआई समाधान विकसित करना है।

प्रमुख घटक :

1. जेन एआई रिसोर्स हब (कोर्स, केस स्टडी, ओपन डेटासेट)
2. यंग डेवलपर्स के लिए एलएलएम कोर्स (मेटा द्वारा डिज़ाइन किया गया)
3. मास्टर ट्रेनिंग एक्टिवेशन वर्कशॉप (बुनियादी एआई अवधारणा)
4. अनलीश एलएलएम हैकाथॉन (मेंटरिंग, सीड ग्रांट, टॉप आइडिया के लिए बाजार सहायता)
5. एआई इनोवेशन एक्सेलेरेटर (इनक्यूबेशन और विज़िबिलिटी के साथ 10 छात्रों वाले स्टार्टअप की सहायता करना)

इंडियाएआई मिशन के शैक्षिक लक्ष्य

इंडियाएआई मिशन (मार्च 2024 में शुरू) भारत के एआई क्षेत्र के विकास की नींव रख रहा है। इस पहल के लिए पांच वर्षों में ₹10,371.92 करोड़ का बजट दिया गया है। यह एआई मॉडल बनाने के लिए कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर देता है, ट्रेनिंग के लिए डेटासेट बनाता है, और शिक्षा समेत अलग-अलग क्षेत्रों में प्रैक्टिकल एप्लीकेशन डेवलप करता है।

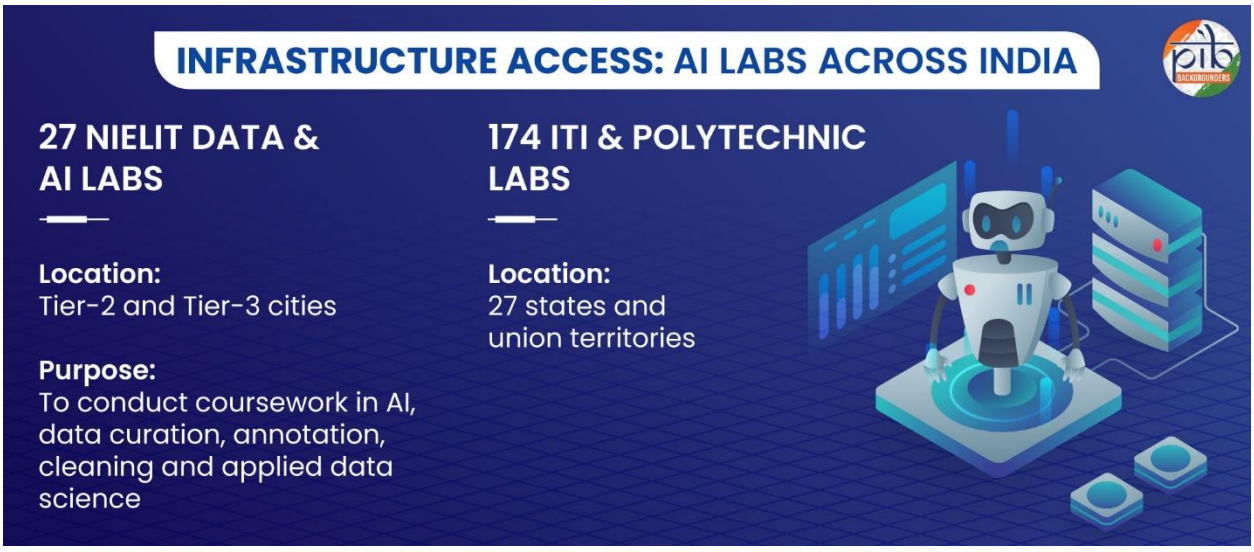

एआई-केंद्रित शिक्षा और एआई-अनुसंधान का समर्थन करने वाली इंडियाएआई की पहलें हैं:

मौजूदा समाधान :

- रीडेबल (ऑनलाइन डिस्लेक्सिया ट्रेनिंग): वेब-बेस्ड एप्लिकेशन जो डिस्लेक्सिया वाले बच्चों को इंटरैक्टिव एक्सरसाइज़ के ज़रिए फ़ोनेटिक अवेयरनेस को बेहतर बनाने में मदद करता है।
- स्क्रीनप्ले: डिजिटल, गेम-बेस्ड स्क्रीनिंग टूल जो ऑटिज़्म या उससे जुड़ी डेवलपमेंटल कंडीशन के रिस्क वाले 3-6 साल के बच्चों की पहचान करता है।

प्रोटोटाइप स्टेज:

- वॉयस फ्यूज़न एआई: यह एप्लीकेशन खास लर्निंग डिसएबिलिटी (एसएलडी) वाले लोगों को कई भारतीय भाषाओं में मदद देता है।
- एसएलडी के लिए अडैप्टिव लर्निंग और डिटेक्शन: एडवांस्ड एआई तकनीकें जो डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया और डिस्कैलकुलिया जैसे खास लर्निंग डिसऑर्डर (एसएलडी) का पता लगाती हैं।

आइडिया स्टेज:

- जीविषा: एसएलडी का जल्दी पता लगाने के लिए एआई-पावर्ड डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म
- स्पेशल एजुकेटर एआई: एआई-ड्रिवन सिस्टम जो भारत में स्पेशल एजुकेटर की कमी को दूर करता है और एसएलडी वाले बच्चों को सपोर्ट करता है

सरकार एआई टूल्स बनाने के लिए आईआईटी जैसे बड़े इंस्टीट्यूशन्स में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को धनराशि दे रही है।

भारतीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स भी इंडियाएआई एप्लीकेशन डेवलपमेंट इनिशिएटिव पर काम कर रहे हैं। चुने हुए प्रोजेक्ट्स ये हैं:

डीपफ्लड: सैलाब की मैपिंग

- टीम: इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी दिल्ली
- स्टेज: प्रोटोटाइप
- विवरण: एसएआर (सिंथेटिक अपर्चर रडार) डेटा और डीप लर्निंग मॉडल का इस्तेमाल करके सैलाब मैपिंग टूल, विज़न ट्रांसफॉर्मर और सैटेलाइट डेटा के साथ रियल-टाइम, ऑटोमेटेड बाढ़ का पता लगाने के लिए

“सेफ एंड ट्रस्टेड एआई” पिलर के तहत भारतीय एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की टीमों द्वारा विकसित चुनी हुई परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:

जिम्मेदार एआई परियोजनाएं

- मशीन अनलर्निंग
    - आईआईटी जोधपुर: जनरेटिव फाउंडेशन मॉडल में मशीन अनलर्निंग
- सिंथेटिक डेटा जनरेशन
    - आईआईटी रुड़की: डेटासेट में बायस को कम करने के लिए सिंथेटिक डेटा बनाने के तरीके का डिज़ाइन और डेवलपमेंट; और जिम्मेदार एआई के लिए मशीन लर्निंग पाइपलाइन में बायस को कम करने का फ्रेमवर्क
- एआई बायस शमन रणनीति
    - राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर: स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में बायस कम करने के लिए जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास
- व्याख्या योग्य एआई फ्रेमवर्क
    - डीआईएटी पुणे और माइंडग्राफ टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड: सुरक्षा के लिए व्याख्या योग्य और प्राइवेसी को बनाए रखने वाले एआई को सक्षम करना
- गोपनीयता बढ़ाने की रणनीति
    - आईआईटी दिल्ली, आईआईआईटी दिल्ली, आईआईटी धारवाड़, और दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी): मजबूत गोपनीयता-संरक्षण मशीन लर्निंग मॉडल
- एआई नैतिक प्रमाणन ढांचा
    - आईआईआईटी दिल्ली और दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी): एआई मॉडल की निष्पक्षता का आकलन करने के लिए उपकरण
- एआई एल्गोरिदम ऑडिटिंग टूल
    - सिविक डेटा लैब्स प्राइवेट लिमिटेड: परखएआई - पार्टिसिपेटरी एल्गोरिथमिक ऑडिटिंग के लिए एक ओपन-सोर्स फ्रेमवर्क और टूलकिट
- एआई गवर्नेंस टेस्टिंग फ्रेमवर्क
    - अमृता विश्व विद्यापीठम और दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी): ट्रैक-एलएलएम, पारदर्शिता, जोखिम मूल्यांकन, संदर्भ और बड़े भाषा मॉडल के लिए ज्ञान

एआई में कौशल विकास

भारत के कार्यबल को एआई और डिजिटल क्षमताओं से लैस करने के लिए, सरकार ने छात्रों, औद्योगिक प्रशिक्षुओं, पेशेवरों और सरकारी अधिकारियों के लिए बड़े कौशल कार्यक्रम शुरू किए हैं। ये कार्यक्रम बेसिक एआई साक्षरता को एडवांस्ड टेक्निकल ट्रेनिंग के साथ जोड़ते हैं।

कार्यक्रम	कार्यान्वयन एजेंसी	लक्ष्य/स्केल	प्रमुख विशेषताएं
प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) 4.0	कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)	36,584 लोगों को एआई का प्रशिक्षण दिया गया (30 जून, 2025 तक); 45 प्रतिशत महिलाएं	अल्पावधि प्रशिक्षण (एसटीटी) और पहले सीखी गई चीज़ों को पहचानना (आरपीएल); महिलाओं के लिए एआई करियर पहल अप्रैल 2025 में शुरू की गई (2 साल में 8,000 लड़कियों का लक्ष्य रखा गया)
कौशल सक्षम कार्यक्रम	एमएसडीई + माइक्रोसॉफ्ट (एमओयू अगस्त 2024)	200 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई); 10,000+ उम्मीदवारों का लक्ष्य; 8,500+ पहले ही प्रशिक्षित हो चुके हैं	क्राफ्ट्समैन ट्रेनिंग स्कीम (सीटीएस) के तहत ~15 नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) में 1,200 घंटे का एआई प्रशिक्षण + 400 घंटे की एडवांस्ड एआई
आईजीओटी कर्मयोगी भारत प्लेटफॉर्म	मिशन कर्मयोगी	सरकारी अधिकारी	डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म एआई, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में कोर्स ऑफर करता है
फ्यूचरस्किल्स प्राइम	सरकार + नैसकॉम	16.29 लाख+ भर्ती/प्रशिक्षित	एआई में 500+ कोर्स, 2,000+ डिजिटल फ़्लूएंसी पाथवे; बिग डेटा, क्लाउड कंप्यूटिंग; नेशनल ऑक्यूपेशनल स्टैंडर्ड्स (एनओएस) और नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ अलाइन्ड।
युवा एआई सभी के लिए	इंडियाएआई मिशन	लक्ष्य : 1 करोड़ नागरिक	Free, self-paced foundational AI course (4-4.5 hours) for students, youth, professionals, parents, senior citizens छात्रों, युवाओं, पेशेवरों, अभिभावकों, वरिष्ठ नागरिकों के लिए

			फ्री, सेल्फ-पेस्ड फाउंडेशनल एआई कोर्स (4-4.5 घंटे)

निष्कर्ष

भारत की पूरी एआई शिक्षा रणनीति—जो एनईपी 2020 और इंडियाएआई मिशन के साथ जुड़ी हुई है—में प्राइमरी से लेकर हायर एजुकेशन तक पाठ्यक्रम को जोड़ने, शिक्षक क्षमता निर्माण, बुनियादी ढांचा विकास, कौशल पहल और रिसर्च सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस शामिल हैं। यह तरीका शहरी सेंटर्स से आगे बढ़कर जनजातीय और आकांक्षी जिलों तक फैला हुआ है, जिससे सभी समुदायों तक टेक्नोलॉजी की पहुंच आसान हो गई है। ये पहल भारत को ग्लोबल एआई लीडर के तौर पर जगह देते हैं, साथ ही समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास पक्का करते हैं, जिसमें सभी का कल्याण, सभी की खुशहाली (सर्वजनम हिताय, सर्वजनम सुखाय) को शामिल किया गया है।

संदर्भ

- https://www.weforum.org/stories/2025/01/future-of-jobs-report-2025-jobs-of-the-future-and-the-skills-you-need-to-get-them/
- https://kpmg.com/in/en/media/press-releases/2026/01/indias-semiconductor-and-ai-surge-powers-global-economic-transformation-kpmg-at-world-economic-forum-2026.html https://nasscom.in/knowledge-center/publications/state-data-science-ai-skills-india-data-and-art-smart-intelligence#
- https://www.niti.gov.in/sites/default/files/2023-03/National-Strategy-for-Artificial-Intelligence.pdf
- https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
- https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2068251&reg=3&lang=2
- chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/185/AU2391_t9X2VQ.pdf?source=pqals
- chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/185/AU4132_DA5KaV.pdf?source=pqals
- https://www.impriindia.com/insights/soar-skilling-for-ai-readiness/
- https://www.pib.gov.in/PressNoteDetails.aspx?NoteId=155641&ModuleId=3&reg=3&lang=1
- https://swayam-plus.swayam2.ac.in/ai-for-all-courses

- chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://www.ugc.gov.in/pdfnews/7193743_FYUGP.pdf
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2147369&reg=3&lang=2
- https://www.pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1881448&reg=3&lang=2
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2147369&reg=3&lang=2
- https://www.edcilindia.co.in/Home/VS/18
- chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://www.aicte.gov.in/downloads/initiatives/AICTE%20inputs%20on%20Artificial%20Intelligence%20-comprehensive.pdf
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2216946&reg=3&lang=2
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2068251&reg=3&lang=2
- chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://www.msde.gov.in/static/uploads/2024/11/0939b46f8cb8078612e07f1b0ee281ab.pdf
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2044927&reg=3&lang=2
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2206767&reg=1&lang=1
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2113095&reg=3&lang=2
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2086605&reg=3&lang=2
- https://indiaai.gov.in/
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2206767&reg=1&lang=1
- https://www.nielit.gov.in/content/introduction-3

पीआईबी रिसर्च इकाई

पीके/केसी/केपी